

सीएम योगी बोले, फंडिंग से नहीं जन सहयोग से चलता है आरएसएस, मोहन भागवत ने की अर्जुन से तुलना

मोहन भागवत ने कहा कि गीता हमें सिखाती है कि समस्या से भागो मत, बल्कि उसका डटकर सामना करो। उन्होंने कहा कि हमें धर्म की रक्षा के लिए लड़ना है।राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज जिस तरह से पूरी दुनिया लड़खड़ा रही है, वैसे ही महाभारत के दौरान अर्जुन भी लड़खड़ा गए थे और अपने बंधुओं के खिलाफ हथियार उठाने से मना कर दिया था। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें श्रीमद्भागवत गीता के माध्यम से मोह से मुक्त होने का ज्ञान दिया था। जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को आयोजित

संक्षिप्त समाचार

बृजभूषण शरण सिंह का एलान, जनता सांसद के रूप में देखना चाहती है; 2029 में जरूर लड़ेंगे चुनाव

बृजभूषण शरण सिंह ने एलान किया है कि जनता मुझे सांसद के रूप में देखना चाहती है, इसलिए 2029 का चुनाव जरूर लड़ेंगे। उनके इस बयान से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। यूपी के कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने 2029 चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहती है। इसलिए, 2029 का चुनाव लड़ूंगा। मुझे परिस्थिति जैसा रिटायर कर दिया गया है। क्षेत्र की जनता ने उन्हें रिटायर नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहती थी, मैंने भी उस निर्णय को स्वीकार किया है। हालांकि पार्टी ने उनके बेटे को टिकट दिया। आज भी देवी पाटन मंडल की जनता उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहती है। इसलिए, मैंने 2029 का चुनाव लड़ने का तय किया है। इस बयान को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।दरअसल, बृजभूषण शरण सिंह छह बार सांसद रहे हैं। वह गोंडा, बलरामपुर व कैसरगंज संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। एक बेटा करन भूषण सिंह सांसद व दूसरा बेटा प्रतीक भूषण सिंह विधायक है। पत्नी केतकी सिंह भी सांसद रह चुकी हैं

गीता उलझन में फंसे विश्व के लिए समाधान प्रस्तुत करती है... लखनऊ में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत



दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव के दौरान मुख्य अतिथि सरसंघचालक ने कहा कि विश्व में शांति की स्थापना गीता की अवधारणा पर ही संभव है।जीओ गीता परिवार की ओर से आयोजित भव्य समारोह का उद्घाटन सरसंघचालक मोहन भागवत और विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम से समारोह की शुरुआत हुई। दोनों अतिथियों को जीओ गीता परिवार के प्रमुख ज्ञानानंद महाराज ने गीता की प्रति भेंट की। इस दौरान मुख्य मंच से अलग एक अन्य मंच से बटुकों ने गीता के श्लोकों का स्वरबद्ध पाठ किया। सहारनपुर के विद्यालय के दिव्यांग छात्रों ने ब्रेल लिपि के माध्यम से स्वस्तिवाचन कर गीत प्रस्तुत किया तो वहीं भजन गायकों ने जाने क्या जादू भरा हुआ भगवान तुम्हारी गीता में... के माध्यम से श्रोताओं को आनंदित कर दिया।मोहन भागवत ने कहा कि गीता हमें सिखाती है कि समस्या से भागो मत, बल्कि उसका डटकर सामना करो। उन्होंने कहा कि हमें धर्म की रक्षा के लिए लड़ना है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि हम गीता के ज्ञान को समझें और 700 श्लोकों में से अगर प्रतिदिन हम गीता के दो श्लोक भी रोज पढ़कर उसका मर्म समझने का प्रयास करेंगे तो एक वर्ष के भीतर ही हम आत्मज्ञान प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ जाएंगे। गीता के पथ पर चलकर ही भारत विश्वगुरु बन सकता है। इस दौरान उन्होंने रामायण काल में राजा जनक के एक स्वप्न का जिक्र किया जिसमें वे देखते हैं कि उन्हें उनके ही देश से निकालने का आदेश हो जाता है। इसके माध्यम से बताया कि परिस्थितियों का रोना रोने से कुछ नहीं होगा, वे तो आती-जाती रहती हैं। मोहन भागवत ने कहा कि हमें खुद से ज्यादा धर्म की चिंता होनी चाहिए। भारत पर अनगिनत आक्रमण

और धर्मांतरण के बावजूद हमारा वजूद नहीं मिटा और अब हम राम मंदिर पर ध्वजा फहराने जा रहे हैं। आचार्य महासभा के समन्वयक स्वामी परमात्मानंद और जगद्गुरु रामानुजाचार्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जगद्गुरु विष्णु स्वामी सतुआ बाबा, महंत धर्मेंद्र दास, राज्य सभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, एमएलसी पवन सिंह चौहान, मंत्री संजय निषाद, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, राजीव गोयल, हास्य कवि सर्वेश अस्थाना, पूर्व डीआईजी दिनेश चंद्र दुबे, सुधीर हलवासिया, रामलाल, स्वांत रंजन समेत बड़ी संख्या में संघ, भाजपा और जीओ गीता परिवार के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। फंडिंग से नहीं जन सहयोग से चलता है आरएसएस = योगी- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझसे जब कोई पूछता है कि आरएसएस को फंडिंग कहां से होती है तो मैं जवाब देता हूं कि संघ को किसी ओपेक देश या अंतरराष्ट्रीय चर्च से फंडिंग नहीं होती है, बल्कि यह जन सहयोग से चलने वाला संगठन है जो आमजन की सेवा में लगा है। सौ वर्ष के इतिहास में संघ ने कभी दूसरों की तरह सौदेबाजी नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी नहीं कहा कि हमारी उपासना पद्धति श्रेष्ठ है। सांस्कृतिक व आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होने के बावजूद हमने अपनी श्रेष्ठता का डंका नहीं पीटा। हमारे सामने जो भी पीड़ित आया, उसकी मदद की, यही सनातन धर्म की विशेषता है। उन्होंने कहा कि अपने धर्म के लिए मरना अच्छा है, लेकिन लालच में धर्मांतरण करना महापाप है। उन्होंने कहा कि युद्ध का क्षेत्र भी हमारे लिए धर्म क्षेत्र है। सनातन धर्म में हमें सिखाया गया है कि अच्छे कर्म का परिणाम अच्छा और बुरे का बुरा होता है। गीता हमें सिखाती है कि फल की इच्छा के बिना निष्काम कर्म करते रहना चाहिए। हमने विश्व को जीओ और जीने दो के साथ वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा दी। दुनिया में

महाभारत जैसी स्थिति, गीता ही समाधान = स्वामी ज्ञानानंद- जीओ गीता परिवार के प्रमुख स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि पूरी दुनिया में इस समय महाभारत जैसे हालात हैं और ऐसे में गीता ही इसका समाधान हो सकती है। उन्होंने कहा कि दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव का उद्देश्य एक ऐसी प्रेरणा है जिससे हम गीता को पढ़ें, समझें और मनन कर इसका जीवन में सकारात्मक उपयोग करें। उन्होंने कहा कि तूष्ठीकरण के बादल छंट रहे हैं और सनातन का उदय हो रहा है। ऐसे में गीता का संदेश जन-जन और घर-घर तक पहुंचाने की जरूरत है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत ने कहा कि नैतिक भ्रम, संघर्ष और शांति की कमी से जूझ रहे विश्व के लिए भगवद् गीता कालातीत मार्गदर्शन प्रदान करती है। ये किसी के भी जीवन को परिवर्तित करने की क्षमता रखती है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत ने

रविवार को कहा कि नैतिक भ्रम, संघर्ष और शांति की कमी से जूझ रहे विश्व के लिए भगवद् गीता कालातीत मार्गदर्शन प्रदान करती है।लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को आयोजित %दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव%को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल औपचारिकता मात्र नहीं है, बल्कि लोगों को गीता के अनुसार जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।उन्होंने कहा कि हम लोग ऋगीताजीवीऋ हैं। भगवद् गीता को अपने जीवन में जीते हैं। उन्होंने वहां मौजूद श्रोताओं से कहा कि गीता में 700 श्लोक हैं। अगर हर दो सिर्फ दो श्लोक का पाठ किया जाए तो एक वर्ष में ही जीवन गीतामय हो जाएगा।सीएम योगी बोले, गीता हमें जीवन जीने की ही कला सिखाती है इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमद्भागवत गीता के 18 अध्यायों में वर्णित 700 श्लोक सनातन धर्मावलंबियों के लिए जीवन का मंत्र हैं। हमने धर्म को मात्र उपासना विधि नहीं माना है। यह तो अपनी आस्था के अनुसार तय होती है। वास्तव में धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है। गीता हमें जीवन जीने की ही कला सिखाती है। हमने कभी भी अपनी श्रेष्ठता का डंका नहीं पीटा। जीयो और जीने की अवधारणा भारत की धरती ने ही विश्व को दी है। वसुधैव कुटुंबकम् की प्रेरणा भी हमने ही दी।

अल्पसंख्यकों के लिए महायुति सरकार की योजनाएं बदल रही तस्वीर;अजीत पवार ने गिनाई उपलब्धियां



कि मौलाना आजाद कॉरपोरेशन का बजट पहले जहां सिर्फ २30 करोड़ था, उसे बढ़ाकर २500 करोड़ कर दिया गया है। इसके साथ ही छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में एक समर्पित अल्पसंख्यक आयुकालय भी स्थापित किया गया है। पवार ने कहा कि आने वाले समय में

हर जिले में अल्पसंख्यक सेल की स्थापना की जाएगी, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे समुदाय तक पहुंचेगा।75 छात्रों को हर साल २40 लाख की स्कॉलरशिप- अजीत पवार ने बताया कि महायुति सरकार ने अल्पसंख्यक छात्रों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा कदम

उठाया है। हर साल 75 अल्पसंख्यक छात्रों को २40 लाख की विदेशी छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसके अलावा ऐसे जिलों में जहां अल्पसंख्यक आबादी अधिक है, वहां महिला आर्थिक विकास निगम के जरिए 2,800 महिला स्वयं सहायता समूह बनाए

जाएंगे। किसानों के लिए २42,000 करोड़ की मदद- अऊसा की सभा में पवार ने किसानों को दी गई सहायता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि असमय बारिश से प्रभावित किसानों के लिए सरकार ने २32,000 करोड़ का दिवाली पैकेज, और उसके बाद अतिरिक्त २10,000 करोड़ जारी किए हैं। अजीत पवार ने कहा कि एनसीपी अऊसा के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जनता से अपील की कि नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए पार्टी प्रत्याशी परवीन नवाबोद्दीन शेख को भारी मतों से जीत दिलाएं।

बूथ स्तर के अधिकारियों की मौत के बाद कांग्रेस ने EC& BJP को घेरा, राहुल बोले- यह नाकामी नहीं, षड़यंत्र है

कांग्रेस ने एसआईआर के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों की मौत को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला किया और इसे जानबूझकर उत्पीड़न और नागरिकों को परेशान करने की साजिश करार दिया। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 16 बीएलओ की मौत एसआईआर के दबाव का नतीजा है और यह सुधार नहीं बल्कि थोपा गया जुल्म है।कांग्रेस ने रविवार को विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे कुछ बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की मौत को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला किया। पार्टी ने इसे जानबूझकर दमन और नागरिकों को परेशान करने की साजिश करार दिया। विपक्षी पार्टी ने कहा कि अतिरिक्त दबाव के कारण इन अधिकारियों की मौतों को सामान्य नुकसान मानकर नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर के नाम पर देश भर में अफरा-तफरी मचा रखी है- नतीजा? तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान चली गई। दिल का दौरा, तनाव, आत्महत्या.. एसआईआर कोई सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने ऐसी प्रणाली बनाई है, जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची में हजारों स्कैन पन्ने उलटने पड़े। मकसद साफ है- ही मतदाता थककर हार जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे।उन्होंने आगे कहा, भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर बनाता है। मगर भारत का चुनाव आयोग आज भी



कागजों का जंगल खड़ा करने पर ही अड़ा है। अगर नीयत साफ होती तो सूची डिजिटल, सर्वेबल और मशीन-रीडेबल होती और चुनाव आयोग तीस दिन की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम डेलने के बजाय उचित समय लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता।कांग्रेस नेता ने कहा, एसआईआर एक सोची-समझी चाल है, जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और बीएलओ की अनावश्यक दबाव से मौतों को सामान्य नुकसान मानकर अनदेखा कर दिया गया है। यह नाकामी नहीं, षड़यंत्र है। सत्ता की रक्षा में लोकतंत्र की बलि है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बीजेपी पर हमला किया और कहा कि भाजपा की वोट चोरी अब जानलेवा रूप ले चुकी है। काम के भार से बीएलओ और चुनाव अधिकारी आत्महत्या करने पर मजबूर है। मेरी हर एक परिवार, जिसने अपनों को खोया है, उनको गहरी संवेदनाएं। जमीनी हकीकत के मुताबिक ये संख्या रिपोर्ट से कहीं अधिक है, जो बेहद चिंताजनक है। इन परिवारों को न्याय कौन दिलाएगा? उन्होंने कहा, भाजपा चोरी की सत्ता की मलाई खाने में व्यस्त है और चुनाव आयोग मूकदर्शक बने तमाशा देख रहा है। हड़बड़ी

मेंच बिना योजना के जबरन एसआईआर लागू करना नोटबंदी और कोरोना लॉकडाउन की याद दिलाता है।सत्ता का दुरुपयोग कर संस्थानों से आत्महत्या करवाना, संविधान की धज्जियाँ उड़ाना और लोकतंत्र को दुर्बल बनाना भाजपा की सत्ता की भूख का नतीजा है। अब बस! अगर अभी भी हम नहीं जागे तो लोकतंत्र के आखरी स्तंभों को गिरने से कोई नहीं बचा सकता। जो लोग एसआईआर और वोट चोरी पर चुप हैं वो इन निर्दोष बीएलओ की मृत्यु के कसूरवार हैं। आवाज उठाइए, लोकतंत्र बचाइए। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में एक महिला बीएलओ अपने घर में पंखे से लटकी मिली। उनके परिवार ने बताया कि वह एसआईआर से जुड़े काम के कारण तनाव में थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मौत पर आश्चर्य जताया और कहा कि यह अब %सच में चिंताजनक% हो गया है। महिला के सुसाइड नोट में चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया गया। हालांकि, भाजपा के वरिष्ठ नेता राहुल सिन्हा ने दावा किया कि सुसाइड नोट फर्जी है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के रायसेन और दमोह जिलों में एसआईआर के लिए काम करने वाले दो शिक्षकों की बीमारियों के कारण मौत हुई।

संपादकीय Editorial

Disaster-Marked Elections

While the Election Commission is four steps ahead in the local body elections, it has yet to move forward in the disaster-ravaged state. The entire state is struggling to recover from the dawn of its recovery, hoping for compensation, rehabilitation, and relief under the Disaster Act. While some areas are still trying to heal their wounds, the election afternoon is a perfect time for the Commission. This means that the state's future is being viewed from two perspectives. On the one hand, the government, instead of setting a date for local body elections, is scrambling for fifteen hundred crore rupees in central disaster relief orders and additional funds to compensate for the massive losses. In this situation, the State Election Commission finds it easier to brush aside the originality of electoral considerations, while on the other hand, the state government, preoccupied with its own work and solutions, is maintaining its stance on the continuity of the Disaster Act. This means that it needs the expediency of holding elections sometime soon. In the third year of power, local body elections are a stepping stone for the opposition's preparations in state politics. While the government has to function, the opposition has to make a name for itself in the political arena. However, the Election Commission is directly questioning the government's intentions. According to State Election Commissioner Anil Kumar Khachi, the publication of voter lists and the determination of reservation rosters, which should have been done with such urgency, is being simply postponed. The extent of truth and misinformation in this controversy is no longer a simple answer to a simple question. At one point, the debate over elections has become the opposition's court, while at another, the government's stance is now seeking legal recourse. Panchayat and municipal elections in Himachal Pradesh have been a testament to the political awareness of the people here, so it cannot be said that any delay will create a pause. Despite this, the arguments of both sides cannot be one-sided. Ground reports from disaster-affected areas indicate that many villages remain disconnected. The Leader of the Opposition himself has expressed this pain in his constituency, and the scars of the rain disaster are still gnawing at the need for relief in districts like Kullu, Mandi, Chamba, and Sirmaur. A large part of Himachal Pradesh is either cut off from connectivity or overlooked in need of immediate relief. After all, these elections are for the people, for those whose homes have been destroyed or their entire farmland has been washed away. In some places, entire villages have been wiped out, and in others, markets have been wiped out. The Election Commission's yardstick for activism cannot be one-sided; rather, a comprehensive survey should examine the very surface upon which our democracy performs its duties. In such a situation, it must be acknowledged that this time, not just an election issue, but an election has certainly found an issue. It may be easier to create election lists in some villages and cities, but it is also wrong to assume that the wounds of the rains have completely healed. Obviously, elections cannot be fought against disasters, but the central government can be questioned for disaster relief, asking why the path to restoring normalcy has been blocked. However, Himachal Pradesh, which is undergoing a transformation in the wake of local body elections, has given rise to numerous political ambitions. Many new and young faces, with political aspirations, are waiting for the public to be presented with an alternative. The upcoming elections hold hope for urbanization in the state, while the changes in rural areas require some easing of the TCP law's requirements. Whatever the case, this conflict is unnecessary.

Terrorism poses a new challenge, caution is essential

Considering all aspects, the Delhi terror attack underscored the fact that the fight against terrorism cannot be relaxed. Security agencies deserve praise for thwarting the plans of terrorists preparing to target multiple locations, but they cannot be absolved of responsibility and accountability for the Red Fort blast. Terrorist attack near the Red Fort raises questions about security arrangements. A horrific terrorist attack near the ramparts of the Red Fort, from where the Prime Minister of India addresses the nation every Independence Day, has raised many questions. Due to the government's zero-tolerance policy towards terrorism and the proactiveness of the security establishment, the country has remained largely safe from terrorist attacks over the past few years, but this attack has eroded that confidence in security. It is also being said that security agencies uncovered a major conspiracy, and the Delhi blast was the result of that frustration. Shortly before this, security agencies had arrested a terrorist module of doctors in Faridabad and seized a large quantity of explosives. It is believed that the terrorists, shocked by this sudden action, vented their anger by carrying out an unplanned blast in Delhi. While this is being called a random terrorist attack, some underlying factors cannot be ignored. After experiencing unrestrained movement in many areas of the National Capital Region, the terrorists chose a prime location in Delhi for the blast. This area is not only historically significant but also a major hub of commercial, cultural, and tourist activities. The time chosen for the blast is relatively busy. Clearly, the terrorists wanted to cause maximum damage. This has certainly damaged the facade and sense of trust built around security against terrorism. Investigative agencies are investigating every possible angle, but there are good reasons to believe that Pakistan is behind this. Pakistan uses terrorism as a state policy, but it appears that, threatened by India's actions after Operation Sindoor, Pakistan has shifted its strategy. This is why, during the initial investigation, the attack appeared to have links from Bangladesh to Turkey. The former Prime Minister of occupied Jammu and Kashmir's confession also confirms Pakistan's nefarious intentions. On the day of the attack, security agencies were unsure whether it was a terrorist attack, but as the investigation progressed, the clouds of doubt began to clear. The video of the suicide bomber, Dr. Umar, confirmed the existence of a destructive jihadist mindset. Shortly after the Delhi terrorist attack, a blast occurred in Pakistan's capital, Islamabad. This explosion occurred in a judicial complex, an area frequented by dignitaries. Jamaat-ul-Ahrar, a former affiliate of the Tehreek-e-Taliban (TTP), has claimed responsibility for the attack. Pakistan has alleged that the terrorist attack was instigated by India. Pakistan's intention behind this appears to be to create a counter-narrative. Its formula is simple: before questions are raised about Pakistan for the Delhi attack, it targets India for the Islamabad blast. Pakistan has been at odds with the ruling Taliban in Afghanistan for some time, so it is trying to kill two birds with one stone: that Afghanistan, at India's instigation, is fomenting unrest in its territory. Pakistan, notorious as the world's largest exporter of terror, wants the world to view India with suspicion regarding terrorism. In the current scenario, it is also impossible to ignore the trend that whenever America supports Pakistan, terrorist activities are encouraged there. The Trump administration's changed attitude towards Pakistan during its second term is a testament to this. The Pahalgam terrorist attack in April this year was a prime example. Operation Sindoor and then President Trump's sycophancy regarding ceasefire and mediation also created favorable conditions for Pakistan. While repeated rejections of Trump's claims have somewhat soured India's relations with the United States, this was also reflected in the uncertainty surrounding the trade agreement with the United States. It is a good thing that President Trump's approach towards India has softened in recent days. Hopes have also increased regarding a trade agreement, which India will need to accelerate its efforts to finalize. A trade agreement with the United States will provide India with a strategic shield against Pakistan. This will reduce India's fear of US intervention in the event of any potential action against Pakistan. Otherwise, Trump's stance will continue to cause problems. Considering all aspects, the Delhi terrorist attack underscored that there can be no let-up in the fight against terrorism. Security agencies deserve praise for thwarting the plans of terrorists preparing to target multiple locations, but they cannot be absolved of responsibility and accountability for the Red Fort blast. It is a good thing that from Prime Minister Modi to Home Minister Amit Shah and Defense Minister Rajnath Singh, strong messages have been given from the top level that the culprits will not be spared. They will not be spared, and they will be hunted down, even from the depths of the earth, and taught a lesson. Meanwhile, we must ensure that the security establishment and intelligence agencies strengthen their defenses. Diplomatic efforts must also be accelerated to continue exposing anti-India forces, including Pakistan, on a global scale, demonstrating how some countries continue to pose as enemies of regional and global peace.

Nitish Kumar has become Bihar's need, a rare leader who can reverse the anti-incumbency factor.

Nitish Kumar's acceptance in Bihar politics increased with the support of the BJP. Meanwhile, Lalu Yadav's political influence has led to the RJD's declining support base. His image suffered a setback when, after being implicated in the fodder scam, he decided to hand over the post of Chief Minister to his wife, Rabri Devi—despite his own lack of political experience. Nitish Kumar received support from the BJP, while the RJD's support base has steadily declined. Rabri Devi's appointment as Chief Minister is controversial. As Nitish Kumar prepares to take oath as Chief Minister of Bihar once again, Lalu Prasad Yadav, once considered a leader of even greater stature and influential in national politics, has become completely weak, and his Rashtriya Janata Dal is in crisis. Nitish Kumar has been Chief Minister for almost 20 years. He has also served as a minister at the Centre. Despite being in power for so long, he faces no allegations of corruption, defamation, or nepotism. This image sets him apart from others. He emerged as a leader whom the people voted back to power in this assembly election. Even after 20 years, he is a rare leader who exemplifies the influence of the ruling party rather than the opposition. Leaders like Lalu Yadav, Nitish Kumar, and Ram Vilas Paswan once coexisted in the Janata Dal. The 1989 Lok Sabha and 1990 assembly elections in Bihar were fought under the joint leadership of Lalu and Nitish. After Lalu Prasad became Chief Minister, he began to pursue a different path. In 1994, the Samata Party was formed under the leadership of George Fernandes, but the desire for social change in Bihar was so strong that Lalu Yadav's charisma was undeniable. The Samata Party was badly defeated in the Lok Sabha and assembly elections, but Nitish Kumar's spirits remained intact. At the same time, Atal Bihari Vajpayee, Advani Singh, and George and Nitish Kumar jointly announced the NDA, and a large national support group began to form around it. Nitish Kumar's acceptance in Bihar politics increased with the support of the BJP. Meanwhile, Lalu Yadav's political influence eroded the RJD's support base. His image suffered a setback when, after being implicated in the fodder scam, he decided to hand over the post of Chief Minister to his wife, Rabri Devi, despite having no political experience. Consider that while Lalu Yadav, facing the prospect of jail, chose to hand over power to his wife, who lacked political experience, after losing the 2014 Lok Sabha elections, Nitish Kumar took over and appointed Jitan Ram Manjhi as Chief Minister. This illustrates how leaders who began their political careers together can shape their political careers differently. By 2000, Lalu Yadav had become a leader of a specific section of the backward classes, while Nitish Kumar succeeded in increasing his acceptability. However, many challenges remained. After the 2000 assembly elections, Nitish Kumar was sworn in as Chief Minister of the state, but he had to resign because the NDA government lacked the confidence of a majority. Subsequently, he was offered the opportunity to become a Union Minister in the Atal Bihari Vajpayee government, holding portfolios such as Agriculture, Railways, and Shipping. The transparency and efficiency in the operation of his ministries gave him a significant edge over Lalu Yadav. Discussions about their working styles began to rage throughout Bihar, especially in villages and streets. In this atmosphere, the 2005 assembly elections began. The NDA hesitated in declaring a chief ministerial candidate. Even within the JDU, there was disagreement about Nitish Kumar's name. The first phase of the elections seemed to be unfavorable for the NDA. In such a climate, one day, while campaigning for the NDA, a journalist friend broke the news that L.K. Advani had announced Nitish Kumar's name as the Chief Minister in Ranchi. Following this, Nitish's rallies suddenly began to attract larger crowds. The 2005 results were in favor of the NDA, but the majority figure was still slightly off. Ram Vilas Paswan, having distanced himself from both alliances, contested the elections separately. With his 29 seats, he was insisting on a Muslim as Chief Minister. Due to his failure to join any party, the Assembly became hung. A sense of insecurity was growing among the MLAs due to the possibility of a dissolution. Meanwhile, an urgent meeting was called at the residence of party president George Fernandes. I was present at the meeting along with Nitish Kumar, Sharad Yadav, Rajiv Ranjan alias Lallan Singh, Digvijay Singh, and Prabhunath Singh. After much deliberation, a leader suggested that some funds should be arranged by talking to the MLAs so that the process of forming a government could proceed. Hearing this, Nitish Kumar folded his hands and said, "If this is the way to achieve the Chief Ministership, then I do not want it." After this incident, in the eyes of those who practiced politics of purity and principles, his stature began to be seen as greater than the Chief Ministership. In October 2005, re-elections were held, and the Janata Dal (United) emerged as the largest party, winning 88 seats. Nitish Kumar became the Chief Minister of Bihar, and this began the process of building a new Bihar.

जिलाधिकारी द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था , गन्ना खरीद एवं अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में की गई समीक्षा।

चीनी मिलों द्वारा प्रतिदिन प्रत्येक गन्ना क्रय केन्द्र पर प्रातः 08 बजे से सायं 05 बजे तक गन्ना खरीद की जाये। गन्ना ढुलाई वाहनों को ओवरहाईट न किया जाये तथा प्रत्येक गन्ना ढुलाई वाहनों पर रिफ्लेक्टर युक्त लाल रंग का कपड़ा अनिवार्य कृषकों के लिए अलाव, किसान विश्राम शेड सप्ताह के अन्दर पेराई सत्र 2024-25 का अवशेष जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित ऐसी चीनी मिलें जिनके द्वारा जनपद-मुरादाबाद अध्यासियों, जिला गन्ना अधिकारी, मुरादाबाद यातायात व्यवस्था, निर्बाध गन्ना खरीद तथा के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गई। द्वारा उठाई गयी गन्ना कृषकों से सम्बन्धित समस्याओं का त्वरित समाधान किये जाने हेतु कि चीनी मिलों द्वारा प्रतिदिन प्रत्येक गन्ना क्रय खरीद का कार्य कराया जाये तथा क्रय केन्द्रों पर को शिकायतों के निराकरण हेतु क्रय केन्द्रों पर प्रतिदिन गन्ना क्रय केन्द्र से गन्ना उठान किया आगामी दिवस में तौल कार्य प्रभावित न हो सके। गन्ना क्रय केन्द्रों पर घटतौली आदि की शिकायतें प्राप्त न हो, जिसके लिए गन्ना निरीक्षक एवं सहायक चीनी आयुक्त, मुरादाबाद को लगातार निरीक्षण करने तथा इस प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त होने पर चीनी मिल प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने गन्ना ढुलाई में प्रयुक्त वाहनों में ओवरहाईट न किये जाने तथा इस सम्बन्ध में गन्ना कृषकों को भी चीनी मिलों के स्तर से वाहनों की ऊंचाई के अनुसार गन्ना ढुलाई करने हेतु प्रेरित किये जाने तथा प्रत्येक गन्ना ढुलाई वाहन में रिफ्लेक्टर युक्त लाल रंग का कपड़ा जो चारो कोनो से बंधा हो, वाहन के पिछले हिस्से में प्रत्येक दशा में लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि कोहरे के दौरान दूर से ही वाहन दिखाई दे। सर्दी के मौसम में बचाव हेतु कृषकों को मूलभूत सुविधा यथा अलाव, किसान विश्राम शेड तथा शौचालय की समुचित व्यवस्था करने तथा गन्ना वेरायटी से सम्बन्धित शिकायतों को तत्काल निस्तारित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में चीनी मिल बिलारी के महाप्रबंधक(गन्ना) को निर्देशित किया कि चीनी मिल प्रत्येक दशा में 01 सप्ताह के अन्दर पेराई सत्र 2024-25 का अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान अनिवार्य रूप से कृषकों को किया जाना सुनिश्चित करेगी तथा अन्य चीनी मिलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को पेराई सत्र 2025-26 का गन्ना मूल्य भुगतान प्रारम्भ किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी श्री राम किशन, सहायक चीनी आयुक्त श्री सालोक पटेल, चीनी मिल अगवानपुर, बिलारी, बेलवाड़ा, रानीनांगल एवं बाह्य जनपदों की चीनी मिल असमौली, स्योहारा एवं मिलक नरायनपुर के महाप्रबंधक(गन्ना) उपस्थित रहे।



ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) ने सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को जारी किए निर्देश। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) के निर्देशानुसार ग्राम पंचायतों की कार्यक्रम 2025 की पूर्व निर्गत वृहद पुनरीक्षण का कार्य समय सारणी उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक निर्देशित किया है। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट नामावलियों (निर्वाचक नामावलियों के दिसम्बर 2025 तक की जाएगी, के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का के वार्डों की मैपिंग, मतदाता की 11 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2025 है, अनन्तिम मतदाता सूची के निरीक्षण की है, दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने (01 करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार 30 दिसम्बर 2025 तक, दावे एवं दिसम्बर 2025 से 06 जनवरी 2026 तक है, दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय में जमा करने की अवधि 07 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक है, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही की तिथि 13 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक है, पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने की तिथि 30 जनवरी से 05 फरवरी 2026 तक एवं निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन की तिथि 06 फरवरी 2026 निर्धारित है। उप श्रमायुक्त श्री दीप्तिमान भट्ट की अध्यक्षता में शासन द्वारा निर्गत भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण (नियोजन एवं सेवाशर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत निरीक्षण एवं अनुवर्ती कार्यवाही तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत उपकर निर्धारण एवं उपकर संग्रहण की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निर्माण कार्यो से जुड़े सेवायोजकों एवं ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों को भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा शासन द्वारा जारी एसओपी के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर श्री अजीत कुमार कनौजिया सहायक श्रम आयुक्त, समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी, राजेश जैन पाश्र्वनाथ डेवलपर्स लि., श्री राकेश कुमार शर्मा स्टेट वाईस प्रेसिडेंट, एनएफटीयू श्री विजयपाल सिंह, स्टेट प्रेसिडेंट, एआईयूटीयू, श्री अनिल शर्मा, प्रतिनिधि ओम डेवलपर्स अमरोहा, श्री हिमान्यु अग्रवाल, मै. आकाश ग्रीन ग्रुप हाऊसिंग एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यूपी में 400 करोड़ की जीएसटी चोरी: मास्टरमाइंड सहित दो गिरफ्तार, 144 फर्जी फर्म की थी तैयार, ट्रक से खुला राज

मुरादाबाद की एसआईटी ने बेरोजगारों के दस्तावेजों पर 144 फर्जी फर्म बनाकर 400 करोड़ की जीएसटी चोरी करने वाले मास्टरमाइंड इखलाक और उसके सहयोगी इतेफात आलम को गिरफ्तार कर लिया है। इखलाक की डायरी से 535 फर्मों का रिकॉर्ड मिला। गिरोह के छह सदस्य और सरगना अभी फरार हैं। लौकरी और लोन दिलाने के नाम पर बेरोजगारों के दस्तावेजों के सहारे दो मोबाइल नंबर पर देशभर में 144 फर्जी फर्म बनाकर करीब 400 मास्टर माइंड इखलाक और उसके सहयोगी इतेहात दोनों के कब्जे से एक मोबाइल फोन, आठ एटीएम बरामद किए गए हैं। वहीं आरोपी की डायरी में 535 बैंक खाते की जानकारी भी मिली है। इस मामले में की तलाश है। मुरादाबाद पुलिस लाइन में शनिवार को ने राज्य कर अधिकारियों के साथ करोड़ों की जीएसटी पकड़े जाने के बाद राज्य कर के अधिकारी की तहरीर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद एसएसपी की में पता चला कि फर्मों में पंजीकृत दो मोबाइल नंबरों जिले के शास्त्रीनगर नौचंदी निवासी मो. इखलाक इतेफात आलम उर्फ दानिश कबाड़ी को पूछताछ के खुलती चली गई। बाद में जीएसटी चोरी के आरोप में इखलाक ने स्वीकार किया कि उसने अन्य छह लोगों के साथ मिलकर चार से पांच करोड़ की अवैध कमाई की है। गिरफ्तार इतेफात आलम इखलाक के सहयोगी के रूप में कार्य करता रहा है। इकलाख की डायरी में 535 फर्मों का विवरण पाया गया है। इस गिरोह का सरगना अभी तक एसआईटी के हाथ नहीं आया है। एसआईटी गिरोह में शामिल छह अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। जीएसटी चोरी के मामले में एसआईटी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी गिरोह के अन्य लोगों की तलाश करने के लिए टीमें काम कर रहीं हैं। मास्टर माइंड इखलाक से मिली जानकारी के आधार पर जांच जारी है। – सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी क्राइम एवं एसआईटी प्रभारी यह था मामला- मुरादाबाद में राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने 24 और 25 अक्टूबर को चेकिंग के दौरान दो ट्रक पकड़े थे। इन ट्रकों से जीएसटी चोरी करके सरिया ले जाया जा रहा था। अफसरों ने जांच की तो पता चला कि दो मोबाइल नंबरों पर 144 फर्जी फर्म पंजीकृत कराई गई थीं। इन फर्मों पर 400 से अधिक की टैक्स चोरी की बात सामने आई। इस मामले में सिविल लाइंस थाने में 31 अक्टूबर को दो प्राथमिकी दर्ज कराई थी। यह एफआईआर राज्यकर विभाग के वरिष्ठ सहायक पिंकू कुमार और वरिष्ठ सहायक प्रमोद कुमार की तहरीर पर दर्ज की गई थी। बाद में इन केसों की जांच के लिए एसएसपी सतपाल अंतिल ने एसपी क्राइम सुभाषचंद्र गंगवार के नेतृत्व में 11 सदस्य एसआईटी गठित की। दिल्ली के कॉल सेंटरों से लिया डाटा- एसआईटी के अनुसार फर्जी फर्मों के लिए गिरोह ने दिल्ली में चल रहे कॉल सेंटरों से डाटा हासिल किया था। यहां नौकरी और लोन देने के लिए सोशल मीडिया पर प्रचार किया गया। इसके बाद यहां बेरोजगारों के जमा किए दस्तावेजों से डाटा लिया और ओटीपी लेकर फर्जी फर्में खोल दी गईं। हर फर्म के बदले कॉल सेंटर को मिलते थे 30 हजार से डेढ़ लाख रुपये- दिल्ली का कॉल सेंटर इकलाख से प्रत्येक फर्म के बदले 30 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक लेता था। कॉल सेंटर से प्राप्त फर्जी जीएसटी फर्मों का यूजर नेम और पासवर्ड व्हाट्सएप के माध्यम से सीए को उपलब्ध कराता था। इनका उपयोग कर सीए फर्जी ई-वे बिल आदि दस्तावेज तैयार करता था। इसी प्रक्रिया में प्रयुक्त मोबाइल नंबर एक एंटरप्राइजेज और सौरभ एंटरप्राइजेज दोनों में प्रयोग किया गया। अंकित और सौरभ दोनों बेरोजगार पाए गए एसपी क्राइम ने बताया कि सिविल लाइंस थाने में मास्टर माइंड अंकित और उसके साथी सौरभ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में आया कि फर्म मालिक अंकित कुमार और सौरभ कुमार बेरोजगार हैं। नौकरी दिलाने और लोन दिलाने के नाम पर दोनों के दस्तावेजों पर फर्जी फर्में खोली गई थीं।



रूप से लगा हो। सर्दी के मौसम में बचाव हेतु गन्ना की व्यवस्था की जाये। चीनी मिल बिलारी द्वारा एक गन्ना मूल्य भुगतान कृषकों को किया जाये। सभागार में जनपद-मुरादाबाद एवं बाह्य जनपदों की से गन्ना खरीद की जाती है, उनके यूनिट हेड/ एवं सहायक चीनी आयुक्त, के साथ सड़क सुरक्षा एवं पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान जिलाधिकारी द्वारा कृषक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों समस्याओं से अवगत कराते हुए गन्ना कृषकों की निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया केन्द्र पर प्रातः 08 बजे से सायं 05 बजे तक गन्ना तौल लिपिक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। घटतौली मानक अनुरूप 05 कुन्तल के बॉट रखे जाये तथा जाये, ताकि गन्ने का प्लॉट से उठान न होने पर

श्रीमती संगीता गौतम ने निर्वाचन आयोग निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए के अनुसार सम्पन्न कराए जाने हेतु समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचायत को

की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही) दिनांक 10 निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियां कराने की तिथि आलेख्य प्रकाशन के रूप में प्रकाशित तिथि 24 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2025 जनवरी 2026 से 18 वर्ष की आयु पूर्ण किए जाएंगे) की तिथि 24 दिसम्बर से आपत्तियों के निस्तारण की तिथि 31

कोटवाली प्रभारी संत कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम 6.30 बजे पवांसा निवासी पूरन सिंह कठेरिया का शव घर के कमरे में रस्सी के फंदे से लटका मिला था। मृतक के बेटे सुमित प्रताप सिंह उर्फ कन्हैया ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई थी। इसके बाद ही सुमित प्रताप सिंह की तहरीर पर उसकी मां और मां के प्रेमी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई। शनिवार को अलग-अलग स्थान से आरोपी गिरफ्तार किए गए। पूछताछ में हत्या करना स्वीकार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पत्नी के गांव निवासी व्यक्ति से प्रेम संबंध थे। पति इसका विरोध करता था और आए दिन लड़ाई भी होती रहती थी। इसके चलते हत्या की साजिश की और घटना को अंजाम दे दिया। बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है। हत्या का राज न खुले, इसलिए नहीं कराना चाहती थी। पोस्टमार्टम पूरन सिंह की मौत आत्महत्या बताकर पत्नी विलाप कर रही थी। बेटे सुमित की सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो बेटे ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा। बेटा तो इसके लिए तैयार हो गया लेकिन पूरन सिंह की पत्नी तैयार नहीं थी। उसने हाईवोल्टेज ड्रामा किया और रो बिलखकर वह पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रही थी लेकिन बेटा चाहता था कि उसके पिता के शव का पोस्टमार्टम होना चाहिए। जिससे मौत का कारण सामने आ सके। इसके देखते हुए पुलिस ने शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद ही हत्या की साजिश का राजफाश हो गया।

कोटवाली प्रभारी संत कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम 6.30 बजे पवांसा निवासी पूरन सिंह कठेरिया का शव घर के कमरे में रस्सी के फंदे से लटका मिला था। मृतक के बेटे सुमित प्रताप सिंह उर्फ कन्हैया ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई थी। इसके बाद ही सुमित प्रताप सिंह की तहरीर पर उसकी मां और मां के प्रेमी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई। शनिवार को अलग-अलग स्थान से आरोपी गिरफ्तार किए गए। पूछताछ में हत्या करना स्वीकार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पत्नी के गांव निवासी व्यक्ति से प्रेम संबंध थे। पति इसका विरोध करता था और आए दिन लड़ाई भी होती रहती थी। इसके चलते हत्या की साजिश की और घटना को अंजाम दे दिया। बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है। हत्या का राज न खुले, इसलिए नहीं कराना चाहती थी। पोस्टमार्टम पूरन सिंह की मौत आत्महत्या बताकर पत्नी विलाप कर रही थी। बेटे सुमित की सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो बेटे ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा। बेटा तो इसके लिए तैयार हो गया लेकिन पूरन सिंह की पत्नी तैयार नहीं थी। उसने हाईवोल्टेज ड्रामा किया और रो बिलखकर वह पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रही थी लेकिन बेटा चाहता था कि उसके पिता के शव का पोस्टमार्टम होना चाहिए। जिससे मौत का कारण सामने आ सके। इसके देखते हुए पुलिस ने शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद ही हत्या की साजिश का राजफाश हो गया।

संक्षिप्त समाचार

इश्क में पागल अधेड़ महिला ने प्रेमी संग को पति को मार डाला , इसलिए फंदे पर लटका दी लाश ; कहती रही ये बात

संभल में प्रेम संबंध में बाधा बना पति तो महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे पर लटका दिया और सभी को आत्महत्या बताती रही। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई तो पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश के संभल जिले से सनसनीखे ज मामला सामने आया है। यहां एक अधेड़ महिला ने प्रेमी



के साथ मिलकर पति को मार डाला। पति दोनों के प्रेम संबंध में बाधा बन रहा था। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, यहां से आरोपियों को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, बहजोई थाना इलाके के गांव पवांसा निवासी पूरन सिंह कठेरिया (54) की हत्या के मामले में मृतक की पत्नी विनोद देवी और गांव की ही राशन डीलर के पति श्याम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पूरन सिंह की गला दबाकर हत्या की थी। हत्या को आत्महत्या दर्शाने के लिए गले में रस्सी बांधकर छत के कुंडे से लटका दिया था। मृतक की पत्नी ने बताया कि उसका पति उसके प्रेम संबंधों में बाधा बना हुआ था। कोतवाली प्रभारी संत कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम 6.30 बजे पवांसा निवासी पूरन सिंह कठेरिया का शव घर के कमरे में रस्सी के फंदे से लटका मिला था। मृतक के बेटे सुमित प्रताप सिंह उर्फ कन्हैया ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई थी। इसके बाद ही सुमित प्रताप सिंह की तहरीर पर उसकी मां और मां के प्रेमी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई। शनिवार को अलग-अलग स्थान से आरोपी गिरफ्तार किए गए। पूछताछ में हत्या करना स्वीकार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पत्नी के गांव निवासी व्यक्ति से प्रेम संबंध थे। पति इसका विरोध करता था और आए दिन लड़ाई भी होती रहती थी। इसके चलते हत्या की साजिश की और घटना को अंजाम दे दिया। बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है। हत्या का राज न खुले, इसलिए नहीं कराना चाहती थी। पोस्टमार्टम पूरन सिंह की मौत आत्महत्या बताकर पत्नी विलाप कर रही थी। बेटे सुमित की सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो बेटे ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा। बेटा तो इसके लिए तैयार हो गया लेकिन पूरन सिंह की पत्नी तैयार नहीं थी। उसने हाईवोल्टेज ड्रामा किया और रो बिलखकर वह पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रही थी लेकिन बेटा चाहता था कि उसके पिता के शव का पोस्टमार्टम होना चाहिए। जिससे मौत का कारण सामने आ सके। इसके देखते हुए पुलिस ने शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद ही हत्या की साजिश का राजफाश हो गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन

प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

संपत्तियों के कागज नहीं थे। उनको मशवरा दिया गया कि वो अपने कागज तलाशे। दरगाह से जुड़े नासिर कुैशी ने बताया कि कैप में हेड़ी,आंवला,मीरगंज,नवाबगंज समेत शहर भर से लगभग 200 मुतावल्ली पहुँचे। प्रदेश के अन्य जिले कानपुर,शाहजहाँपुर,मुरादाबाद,पीलीभीत, अगरा, झांसी आदि से फोन कॉल आई। जिन्हें वफ्फ संबंधित जानकारी दी गई। वहीं जो लोग अपने कागज साथ लाए थे उनके तुरंत अदनान हुसैन और इशरत नूरी ने उम्मीद पोर्टल पर संपत्ति दर्ज कराई। जो लोग रह गए हैं उन्हें सलाह दी गई कि वो लोग दरगाह द्वारा दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर राब्ला (सम्पर्क) कर सकते हैं। वहीं 24 नवम्बर दिन पीर(सोमवार) को अगला कैप काकर टोला स्थित छः मीनारा मस्जिद में शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक लगाया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 98997070701 इसके अलावा सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने सभी से अपील करते हुए कहा उम्मीद पोर्टल के अलावा देश के कई सूबे में एसआईआर को भी प्रक्रिया चल रही है। बीएललो घर घर जाकर फॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं। लोग जल्द से जल्द फॉर्म भर कर जमा करे। कैप में शाहिद नूरी,मुजाहिद रज़ा,परवेज़ नूरी,सय्यद माजिद,अदनान हुसैन,औरंगजेब नूरी, काशिफ सुब्हानी, अजमल नूरी, इशरत नूरी आदि मौजूद रहे।

knlslive@gmail.com

रूप में आस्था का केंद्र रही है और गांव में इसकी धार्मिक मान्यता है। इसी बीच मंदिर से सटे खेत के एक किसान ने दावा किया है कि विवादित भूमि उनकी पैतृक संपत्ति है और इसका मंदिर से कोई संबंध नहीं है। इस दावे के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। ग्रामीण अजय जायसवाल, संतोष पांडेय, सालिक राम गुप्ता, माता प्रसाद जायसवाल, किशुन जायसवाल, राम निवास पांडेय, राजेश पांडेय सहित अन्य लोगों ने इस संबंध में थाने में तहरीर देकर न्याय की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की जमीन पर किसी प्रकार का निजी दावा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से विवाद का समाधान कर धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखने की अपील की है।

Have you forgotten Akshara? The innocent TV bahu is actually quite glamorous.

Hina Khan, who made her mark in every household with the TV serial "Yeh Rishta Kya Kehlata Hai," needs no introduction. Today, we'll show you just how glamorous Hina, who always appears so innocent on TV, truly is. household by playing the cultured and stylish the popular TV serial "Yeh Rishta of the most glamorous and stylish While she often sports a simple and modern, and fashionable real-life accounts. Hina Khan constantly stays trendy western looks, and stunning as they're posted on social media. Hina Khan looks confident and show you some of Hina Khan's bold fans stunned. The first look: You can from Hina Khan. Hina Khan's sari that you can't take your eyes off them. red sari. She paired this simple border embroidered deep-neck blouse. The Hina Khan on how to carry off an To enhance her look, the actress left it with a heavy maangtika. Heavy look: This look of Hina's is quite her style is worth seeing. To complete with a sequin-work skirt. She necktie, which she looked absolutely stunning. Fourth Look: Black suits Hina beautifully, so you won't be able to take your eyes off her. In this black off-the-shoulder dress, Hina looks nothing less than a doll. She paired it with white heels. Her loose hair adds to her beauty. Fifth Look: Finally, let's take a look at the actress's boss lady look. Akshara is known as the boss lady, and this look suits her perfectly. Hina looks absolutely stunning in this dual-print co-ord set. She has kept her hair open and curled.



Hina Khan, who made her mark in every and innocent sister-in-law Akshara in Kya Kehlata Hai," has now become one actresses in the entertainment industry. traditional look on TV, her bold, personality is evident on her social media in the spotlight with her elegant outfits, photoshoots. Her photos go viral as soon Whether it's Indian or Western wear, glamorous in every look. Today, we'll and stylish avatars, which leave even her learn how to look glamorous in a sari looks are so beautiful and glamorous For example, Hina looks stunning in this sari with a beautiful, heavily second look: You can also take tips from Indo-Western look in a stylish manner. her hair open with soft curls and paired earrings enhance her beauty. The third different and quirky, but even in this one, this look, the actress wore a silk shirt completed the look with a matching

Sherlyn Chopra's home is absolutely luxurious; see photos from the balcony to the bedroom.

Sherlyn Chopra, who has always been in the news for her outspoken style, outspoken opinions, and lavish lifestyle, has been the subject of discussion with her luxurious Mumbai home. It's not just a home, but a beautiful symbol of her hard work, struggle, and success. Sherlyn Chopra is always in the news. These days, Sherlyn has been in the news for her breast implant removal. However, when she appeared in a video discussing breast implant removal, people's attention was more on her. In fact, Sherlyn shared information about her breast home. When citizens saw Sherlyn's home, they the inside. Since then, Sherlyn Chopra, who has been the subject of discussion with her of her hard work, struggle, and located in a high-end, posh area of worth crores, is a blend of room - Her living room is the decorated in white and golden glass windows create a grand furniture has been used for the modern taste. This room looks Looking at the pictures of Sherlyn's luxury and comfort. Sherlyn's master theme, a velvet headboard, anti-stain decor. Her walk-in wardrobe looks like the the entire designer collection is at one place! so big and luxurious that Sherlyn does yoga and Luxury handbags are showcased through the glass walls. in a minimalist style. Balcony- One can see the spectacular view of the house is her huge balcony, from where the view of Mumbai is visible. Sherlyn often does yoga,



removal after returning to her natural look, people's attention was more on her. During this time, she was seen at her mesmerized. Her home was quite luxurious, resembling a luxury hotel from the news for her outspoken style, outspoken opinions, and lavish lifestyle, just a house, but a beautiful symbol mini-palace - Sherlyn's house is celebrities live. This apartment, rivals any five-star suite. Living and glam. The living room is marble flooring and floor-to-ceiling look. Minimalistic yet regal decor. Wall art also reflects her like a magazine cover. Bedroom - bedroom, one can feel a paradise of bedroom features a soft pastel color lighting, and exclusive designer gown section of a fashion house, where Yoga Space- Sherlyn's walk-in wardrobe is exercises here. She is often seen in this area. The decor of this space is also done beautifully and Mumbai skyline from her balcony. The most beautiful place in the morning coffee and shoots here.

This leaf is a storehouse of many nutrients, including iron and calcium. Consuming it can help ward off many ailments.

Moringa leaves are highly beneficial for health, but surprisingly, very few people know about them. In this article, let's understand the importance of moringa leaves and learn about their nutritional value. Commonly consumed as a nutritional "superfood," the benefits of which powerful that it contains more essential Especially in the case of calcium, it is nothing is rich in vitamins, antioxidants, and minerals, health. Regular consumption not only extremely beneficial for your skin and hair. this leaf in your diet. The Power of Calcium: calcium. Comparatively, dried moringa more calcium than milk. Calcium is essential consumption reduces the risk of diseases like muscle function. Vitamin C: Moringa leaves can be more than twice as high as an orange. strengthens your immune system. It is wounds, and promoting collagen production essential electrolyte that plays a vital role in contain approximately three times more maintain heart health and reduce muscle preventing anemia. Although spinach is a contain approximately 10 times more iron than spinach. Iron is essential for hemoglobin production and oxygen transport throughout the body. Note: This article was compiled based on information collected from medical reports.



vegetable in India, moringa leaves are a are unknown to many. This leaf is so nutrients than many popular foods. short of miraculous. Furthermore, moringa making it a complete food for overall strengthens your bones like iron, but is also Therefore, experts recommend including Moringa leaves are extremely high in powder contains approximately four times for strong bones and teeth. Regular osteoporosis and also supports proper are also a great source of vitamin C, which Vitamin C is a powerful antioxidant that essential for fighting infections, healing in the body. Potassium: Potassium is an regulating blood pressure. Moringa leaves potassium than bananas. This helps cramps. Iron: Iron is important for good source of iron, dried moringa leaves

Her husband beat her publicly, two marriages ended... Her boldness made her Bollywood's 'sex symbol'.

In the 70s and 80s, there was a race for the number one position among many heroines. Meanwhile, Zeenat Aman entered Hindi cinema, the Zeenat Aman who gave a new identity to boldness in Hindi cinema. However, personal life. Zeenat Aman became the sex Zeenat's hotness, but she was also there was a race for the number one was Zeenat Aman who gave a new identity called a heroine ahead of her time. Zeenat Today, we're going to tell you some stories identity with her bold image. When weren't as bold at the time. Neither was such scenes. However, it was Zeenat of heroines. After her father's death, she gradually became interested in Award. Eventually, Zeenat returned to launched her career with the film Hulchal. film career. Filmmakers were impressed other heroines of that era. Bold, (Zeenat Aman Bold). Zeenat was Meanwhile, Sanjay Khan entered conversations blossomed into love (Zeenat was pursuing would become a thorn in married. This happened while Sanjay knew about this. Just a few days after the Sanjay's wife, Zarine Khan, learned of this, further turmoil erupted. Sanjay had assaulted Zeenat. Zeenat and Sanjay were married, but the marriage did not last even a year. However, rumors of this marriage being a secret one persist. It is also said that Sanjay Khan once beat Zeenat Aman severely during a fight. Sanjay Khan's book, "The Big Mistakes of My Life," also mentions that Sanjay was notoriously short-tempered and easily angered. It is said that Sanjay's physical assault on Zeenat was so severe that her face was disfigured. However, Sanjay never openly acknowledged these details. Finally, fed up with Sanjay, Zeenat decided to break up with him. Meanwhile, Sanjay's wife, Zarine, threatened to break off all ties with him if he didn't leave her. Her second marriage, to Mazhar Khan, marked the beginning of Zeenat's love life. Even she hadn't imagined her relationship with Sanjay Khan would end so tragically. Zeenat began focusing on films, when love struck her again. In 1985, Zeenat married Mazhar Khan for the second time. Their marriage went well for a while, but later, problems began to arise. They had two children, while Mazhar's health deteriorated. Zeenat was also deeply troubled by the conflicts with her second husband, Mazhar. She even filed for divorce, but before that could happen, Mazhar Khan died of kidney failure in 1998. Meanwhile, Zeenat was also linked to Pakistani cricketer Imran Khan. However, this relationship with Imran Khan did not last long, as this cross-border love story also ended prematurely. Zeenat Aman starred in several blockbuster films and was even called Hindi cinema's first sex symbol. It was Zeenat's bold image that earned her these nicknames. Chura Liya Hai Song... Zeenat's stylish look and style in this song still captivates people (Zeenat Aman Songs). Sometimes she gave bold scenes in Qurbani, sometimes she captivated people by playing the hot Roma in Don. Zeenat Aman was the actress who brought about a change in Hindi cinema at that time. Even today, Zeenat is just as glamorous (Zeenat Aman Fashion) and this is why, even at this age, people consider her the OG fashionista girl.



Zeenat faced considerable difficulties due to her symbol of Hindi cinema. People were fascinated by troubled by her personal life. In the 70s and 80s, position among many heroines. Meanwhile, there to boldness in Hindi cinema. Zeenat Aman who was Aman, with whom filmmakers lined up to work. from Zeenat Aman's life... She established her Zeenat Aman entered Hindi cinema, heroines there much boldness in films, nor were there any Aman who breathed life into the glamorous image Zeenat went to the University of California, where modeling. After this, she won the Miss Asia Pacific India and turned to Bollywood. In 1971, Zeenat Zeenat's first marriage to Sanjay Khan marked her by Zeenat's image. Zeenat was quite different from outspoken, and carefree, people loved Zeenat's style receiving offers for every other major film. Zeenat's life. Sanjay Khan and Zeenat's Sanjay Love Story). Who knew that the love Zeenat her side? In 1978, Zeenat Aman and Sanjay Khan Khan was already married. It is said that no one wedding, discord began between the two. When

This actor will return as Spider-Man in Doomsday, raising fans' excitement!

"Avengers: Doomsday" is the next major film in the Marvel Universe, scheduled for release in 2026. The film will star actors like Vanessa Kibbee, Robert Downey Jr., and Lewis Pullman. Reports suggest that fans' favorite hero, excitement. Will Spider-Man make a grand 2026 - This actor will play Spider-Man again. Doomsday. This film is based on Marvel news that will likely excite fans' curiosity. sci-fi film Avengers Doomsday, directed by seen in Avengers Doomsday - According to a industry Daniel Richtman, while sharing favorite Tobey Maguire can be seen again in Doomsday'. Whether Tobey Maguire will as Spider-Man in the full film, this still remains will be another big step of Marvel in the announcement from the Marvel Universe in Avengers: Doomsday. One user wrote, commented, "Oh my god...now we'll go see was right, bring back memories. We need a box office comeback." However, according to Daniel Richtman, if Tobey Maguire doesn't appear as Spider-Man in the MCU's Avengers: Doomsday, he will definitely appear in their next franchise crossover, Avengers: Secret Wars. Tobey Maguire has played Peter Parker in all five Spider-Man film series. His character has become iconic.



Spider-Man, may also make an appearance, adding to fans' entry in Avengers: Doomsday? MCU sci-fi film to release in Fans are eagerly awaiting the upcoming sci-fi film, Avengers: Comics. While the film is still a long way from release, we have Everyone's favorite Spider-Man can make a comeback in the Anthony Russo and Joe Russo. Spider-Man's charisma will be news in Times of India, well-known expert of Hollywood information on his Patreon page, has told that everyone's the role of Spider-Man in the most awaited film 'Avengers have a cameo in Avengers Doomsday or he will be seen in action a suspense. If his entry in the sci-fi film is confirmed, then this multiverse era. However, there has been no official creators. Fans are excited to see Tobey Maguire as Spider-Man "This was the news we wanted to see." Another user wrote, "Marvel this movie directly in the cinema." Another user wrote, "Marvel

The story of "Dhurandhar" is terrifying, inspired by true events and real people.

Dhurandhar will be released in theaters on December 5th, but the trailer has already sparked speculation about the film. As soon as Aditya Dhar revealed in the trailer that the story is inspired by real-life incidents, fans began speculating on social media about which actors were inspired by which real-life characters. The characters in "Dhurandhar" are inspired by real people. Aditya Dhar's film is inspired by real events - releasing in theaters in December 2025. The trailer for "Dhurandhar," released on YouTube two days ago, set the internet on fire. It has already received over 46 million views. Aditya Dhar, director of superhit films like "Uri: The Surgical Strike," took great care to maintain the suspense surrounding the characters and story. The trailer clearly reveals that the story unfolds in the world of India-Pakistan intelligence warfare, counter-terrorism operations, and covert operations. Aditya Dhar also revealed that the film's story is inspired by real-life events, prompting social media users to thoroughly investigate which actor's character is inspired by which real-life character. While Aditya Dhar has revealed the roles of all the actors, including Sanjay Dutt and R. Madhavan, Ranveer Singh's role in "Dhurandhar" remains unrevealed. The trailer suggests he's playing an undercover agent in Pakistan or an Indian Army soldier. However, based on his appearance, social media is speculating that he's playing Ashok Chakra winner Major Mohit Sharma. Major Mohit Sharma infiltrated the Hizbul Mujahideen terrorist group under the alias "Iftikhar Bhatt" and was martyred during an anti-terrorist operation in Kupwara, Jammu and Kashmir. He is known for his undercover operations. Arjun Rampal - The trailer for 'Dhurandhar' opens with Arjun Rampal torturing an Indian soldier with multiple fishing hooks stuck to his body. Arjun Rampal plays Major Iqbal, an ISI agent. In the trailer, Iqbal is shown recalling the time when former Pakistani President Muhammad Zia-ul-Haq said, "Cut India into a thousand pieces and shed its blood." This heart-wrenching scene is reminiscent of the time when Major Saurabh Kalia and other Indian Army officers were captured and tortured by the Pakistani Army during the Kargil War in 1999. Arjun Rampal's character in the film is said to be inspired by Ilyas Kashmiri, who was once called the new Osama bin Laden. R. Madhavan - In Dhurandhar, R. Madhavan plays Ajay Sanyal, a top officer in India's intelligence agency, known as the Research and Analysis Wing (R&AW). R. Madhavan's character in the film is inspired by Ajit Doval, the former National Security Advisor and former Intelligence Bureau Director. Ajit Doval is known for playing a key role in many efforts to counter extremism and terrorism. Akshay Khanna - Like Major Iqbal, 'Rehman Dakat' is a ruthless figure in Pakistani politics, as depicted in the trailer for Dhurandhar. As he says, he kills people like a butcher. According to Pakistani media, the character of Rehman Dakat is inspired by Sardar Abdul Rehman Baloch, a dangerous criminal in Karachi. 'Rehman Dakat' was accused of killing his own mother, Khadija Bibi, in his youth. In 2009, Rehman Dakat was killed in an encounter in Karachi's Steel Town area under the leadership of Superintendent of Police Chaudhry Aslam Khan. Sanjay Dutt - Sanjay Dutt plays Superintendent of Police Chaudhry Aslam in the film, a Pakistani police officer. From 2005 to 2014, he killed numerous terrorists, gangsters, target killers, and extortionists, including those associated with the Tehreek-e-Taliban Pakistan, the Balochistan Liberation Army, the TMP, Lashkar-e-Jhangvi, Lashkar-e-Taiba and Sipah-e-Sahaba were terrorists linked to Pakistan. On 9 January 2014, Chaudhry Aslam was killed in a bomb blast carried out by the TTP.